Contents

# प्रथम अध्याय

❖ व्यंग्य का स्वरूप एवं शैली-वैज्ञानिक दृष्टिकोण 1 से 45

व्यंग्य का शास्त्रीय अध्ययन

व्यंग्य की पाश्चात्य व्युत्पत्ति, व्यंग्य की भारतीय व्युत्पत्ति, व्यंग और व्यंग्य, व्यंग्य की परिभाषा एवं स्वरूप, स्वरूपतः हास्य प्रभेद और व्यंग्य, व्यंग्य के तत्त्व, व्यंग्य का उद्देश्य एवं प्रयोजन, व्यंग्य के प्रकार।

शैली वैज्ञानिक चिंतन

"शैली" का स्वरूप विवेचन, शैली विषयक परिभाषाएँ, शैलीविज्ञान, शैलीविज्ञान विषयक परिभाषाएँ, शैली वैज्ञानिक अनुशीलन से तात्पर्य, शैलीविज्ञान के संदर्भ में भाषा के विविध रूप

# द्वितीय अध्याय

❖ हिन्दी व्यंग्य निबंधः स्वरूप एवं विकास 46 से 76

व्यंग्य निबंधः स्वरूप चिंतन

साठोत्तर पूर्व हिन्दी व्यंग्य निबंध का विकास

भूमिका

भारतेन्दु युग (सन् 1850 से 1900 तक)

द्विवेदी युग (सन् 1900 से 1920 तक)

शुक्ल युग (सन् 1920 से 1947 तक)

स्वातंत्र्योत्तर युग (सन् 1947 से 1960 तक)

निष्कर्ष

# तृतीय अध्याय

❖ साठोत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंधकार: एक परिचयात्मक अध्ययन **77 से 115**

साठोत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंध की पृष्ठभूमि

साठोत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंधकारों का परिचय

हरिशंकर परसाई, शरद जोशी, रवीन्द्रनाथ त्यागी, लतीफ घोंघी, श्रीलाल शुक्ल, नरेन्द्र कोहली, केशवचन्द्र वर्मा, सुदर्शन मजीठिया, शंकर पुणताम्बेकर, बरसानेलाल चतुर्वेदी, के.पी. सक्सेना, रोशनलाल सुरीरवाला, गोपालप्रसाद व्यास, संसारचन्द्र, प्रेम जनमेजय, बालेन्दु शेखर तिवारी, श्याम सुन्दर घोष, रामनारायण उपाध्याय, मधुसूदन पाटिल, सूर्यबाला, आत्मानंद मिश्र, अमृतराय

हिन्दी व्यंग्य साहित्य में अन्य व्यंग्यकारों का योगदान

# चतुर्थ अध्याय

❖ साठोत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंधो में प्रयुक्त विविध भाषिक उपकरणों का चयन **116 से 176**

विविध शब्द – चयन

संस्कृतनिष्ठ तत्सम शब्दों का चयन, विदेशी शब्दों का चयन, ग्राम्य शब्दों का चयन, अपशब्दों का चयन, नवनिर्मित या व्यंग्यज शब्दों का चयन

विविध भाषिक उपकरण

मुहावरें, लोकोक्तियाँ, सूक्तियाँ, परिभाषा, काव्य-पंक्तियाँ तथा पैरोडी-प्रयोग

# पंचम अध्याय

❖ साठोत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंधों में प्रयुक्त शब्द-शक्ति तथा विचलनमूलक भाषिक प्रयोग **177 से 218**

व्यंग्य निबंधो में शब्द-शक्ति का प्रयोग

1) अभिधा शब्द-शक्ति
2) लक्षणा शब्द-शक्ति
3) व्यंजना शब्द-शक्ति

व्यंग्य निबंधों में प्रयुक्त विचलनमूलक भाषिक प्रयोग

1) सहप्रयोगात्मक विचलन
   (i) संज्ञा का संज्ञा के स्तर पर प्रयोग, (ii) संज्ञा के साथ विशेषण का प्रयोग, (iii) संज्ञा का क्रिया के स्तर पर प्रयोग, (iv) क्रिया का क्रिया-विशेषण के स्तर पर प्रयोग
2) साहित्येत्तर शब्दों के रूप में विचलन
3) पद-क्रम विचलन
4) अन्विति के स्तर पर विचलन

# षष्ठम अध्याय

❖ साठोत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंधों में प्रयुक्त समानान्तरता तथा अप्रस्तुत विधानमूलक भाषिक प्रयोग **219 से 274**

भाषिक समानान्तरता

1) समशब्दीय आवृत्ति
2) समवाक्यांशीय आवृत्ति
3) समवाक्यीय आवृत्ति

4) समानान्तर वाक्यांश
5) समानान्तर वाक्य
6) आर्थीय समानान्तरता
7) निरर्थक आवृत्तिमूलक शब्दीय समानान्तरता

अप्रस्तुत विधान से तात्पर्य

1) रचनापरक अप्रस्तुत विधान
(i) विशेषण के रूप में, (ii) क्रिया-विशेषण के रूप में
2) बिम्बात्मक अप्रस्तुत विधान
(i) उपमा, (ii) रूपक, (iii) व्याज-स्तुति, (iv) अपकर्ष, (v) मानवीयकरण, (vi) उत्प्रेक्षा

## सप्तम अध्याय

❖ साठोत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंधों में विविध शैलीय रूप **275 से 320**

व्यंग्य निबंधो में विविध शैलीय प्रयोग

(1) वर्णनात्मक शैली, (2) संवाद शैली, (3) प्रतीकात्मक शैली, (4) मिथकीय शैली, (5) फंतासी शैली (6) प्रश्नोत्तर शैली, (7) पत्र शैली, (8) भाषण शैली, (9) आलोचनात्मक शैली, (10) इन्टरव्यू शैली, (11) तुलनात्मक शैली, (12) विरोधाभाषपरक शैली, (13) कथा शैली

अन्य शैली प्रयोग

## अष्टम अध्याय

❖ उपसंहार **321 से 329**

# परिशिष्ट

**330 से 340**


परिशिष्ट : 1 व्यंग्य संग्रह : एक अनुसूची

परिशिष्ट : 2 सहायक ग्रंथ सूची

परिशिष्ट : 3 पत्र-पत्रिकाएँ